सांध्य दैनिक

4PM

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 51 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 25 मार्च, 2025

हमारे स्वप्न विशाल होने चाहिए। हमारी महत्वकांक्षा ऊंची होनी चाहिए। हमारी प्रतिबद्धता गहरी होनी चाहिए और हमारे प्रयत्न बड़े होने चाहिए। भारत के लिए यही मेरा सपना है।

-धीरूभाई अंबानी

नए कप्तान के साथ विजयी शुरुआत करने... 7 | संसद से लेकर सड़क तक फिर... 3 | योगी सरकार के 8 साल पूरे, विपक्ष... 2

जस्टिस वर्मा के तबादले को लेकर वकीलों का संग्राम

इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजे जाने पर मचा कोहराम

» इलाहाबाद हाईकोर्ट में अनिश्चितकालीन हड़ताल

» वकील बोले- इलाहाबाद हाईकोर्ट कोई डंपिंग ग्राउंड नहीं

» पब्लिक सर्वेंट और राजनेता की तरह ही जस्टिस वर्मा का भी ट्रायल होना चाहिए

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। जस्टिस यशवंत वर्मा के इलाहाबाद हाइकोर्ट तबादले पर इलाहाबाद के वकीलों का गुस्सा सांतवे आसमान पहुंच गया है। कोलेजियम के इस फैसले के विरोध में हाईकोर्ट के सभी वकील अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये हैं। इस दौरान वकीलों ने किसी भी केस की सुनवाई में हाजिर होने से इनकार कर दिया है।

बार एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप कर जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की मांग की है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट अनिल तिवारी ने कहा है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट कोई डंपिंग ग्राउंड नहीं है। बार एसोसिएशन की आपात बैठक में सभी वकीलों ने एक स्वर में कहा है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट कूड़ेदान नहीं है कि भ्रष्टाचार के आरोपियों को यहां न्याय देने के लिए भेजा जाए।

मेरे खिलाफ रची गयी साजिश : यशवंत वर्मा

जस्टिस यशवंत वर्मा ने इसे अपने खिलाफ साजिश करार दिया है और जिस स्टोर रूम में पैसे रखे मिले है उससे पल्ला झाड़ लिया है। यही नहीं फायर सर्विस के मुखिया ने भी 21 मार्च को बयान जारी कर कहा कि न्यायधीश के घर से कोई पैसा नहीं मिला है। जबकि फायर सर्विस के जिन सिपाहियों को सबसे पहले पैसे दिखे उन पांच सिपाहियों के मोबाइल फोन जमा करवाये जा चुके हैं जोकि सीजेआई की जांच के अहम दस्तावेज हैं। जस्टिस यशवंत वर्मा ने कहा है कि उस स्टोर रूम को उनके परिवार के किसी भी सदस्य ने आज तक इस्तेमाल नहीं किया।

न्यायिक कार्य पर रोक

सीजेआई ने जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ मिली शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। यह जांच 1999 में किसी न्यायधीश के भ्रष्टाचार में कथित शामिल होने के बाद बने नियमों के तहत की जा रही है। इन नियमों में सबसे पहले सीजेआई संबंधित न्यायधीश से जवाब मांगता है और यदि वह जवाब से संतुष्ट नहीं होता तो जांच समिति गठित कर आगे की कार्रवाई करता है। जस्टिस वर्मा के जवाब से सीजेआई सहमत नही दिखाई देते तभी उन्होंने तीन सदस्य जांच कमेटी का गठन कर दिया है। कमेटी ने उनके किसी भी न्यायिक कार्य में शामिल होने से रोक लगा दी है और उनसे सभी न्यायिक जिम्मेदारियां वापस ली जा चुकी है।

जस्टिस वर्मा का मूलकोर्ट में तबादला

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा का तबादला उनके मूल हाईकोर्ट इलाहाबाद उच्च न्यायालय में करने की सिफारिश की है। ये सिफारिश ऐसे समय में आई है, जब उनके सरकारी बंगले में आग लगने के बाद वहां भारी मात्रा में नकदी मिली। जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने के फैसले के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन में नाराज़गी फैल गयी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के बार एसोसिएशन ने उनके ट्रांसफर पर कड़ा एतराज जताते हुए उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट नहीं भेजने की अपील की है।

बोले उपराष्ट्रपति

राज्यसभा के सभापति व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का कहना है कि स्वतंत्रता के बाद यह पहली बार है जब मुख्य न्यायाधीश ने सभी सामग्री को सार्वजनिक डोमेन में डाला है। उन्होंने न्यायपालिका की इन-हाउस प्रतिक्रिया को 'सही दिशा में उठाया गया कदम' बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा एक समिति का गठन और उनके द्वारा दिखाई गई सतर्कता को भी विचार में लिया जाना चाहिए। न्यायपालिका और विधायिका जैसी संस्थाएं तभी अपना उद्देश्य अच्छे से निभा सकती हैं, जब उनका इन-हाउस तंत्र प्रभावी, त्वरित और जनता का विश्वास बनाए रखने वाला हो।

कॉरपोरेट वकील के तौर पर जस्टिस वर्मा ने शुरू किया था कॅरियर

जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने कैरियर की शुरूआत कारपोरेट वकील के तौर पर की थी। वह उत्तर प्रदेश के स्थाई वकील भी रह चुके हैं। जस्टिस यशवंत वर्मा 2016 में न्यायधीश बने और 2021 से वह बिक्रीकर जीएसटी खंडपीठ का नेतृत्व कर रहे थे। सुनवाई के दौरान उन्होंने लीक से हटकर कई फैसले सुनाये। हाल ही में उन्होंने नेटफ्लिक्स की सीरीज पर रोक लगाने से मना कर दिया था। यही नहीं उन्होंने शीबू सोरेन के खिलाफ सीबीआइ जांच पर भी रोक लगा थी।

ट्रेड यूनियन ने भी हड़ताल का किया समर्थन

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादला होने पर भयंकर विवाद चल रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस तबादले के विरोध में आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया है। ट्रेड यूनियन ने भी इस हड़ताल का समर्थन किया है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने सुबह 10:00 बजे से हाईकोर्ट के गेट नंबर 3 से विरोध प्रदर्शन शुरू कर हड़ताल कर दी है। वकीलों ने कहा है कि जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने पर बार एसोसिएशन ने कहा है कि सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सीनियर एडवोकेट अनिल तिवारी ने केंद्र सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। अनिल तिवारी के आवास पर हुई कार्यकारिणी की बैठक के बाद हड़ताल पर जाने का फैसला लिया गया।

बढ़ रहा है सस्पेंस

अब यदि जस्टिस यशवंत वर्मा के बयान में सच्चाई है तो यह प्रकरण और ज्यादा पेचीदा हो रहा है। बड़ा सवाल यही है कि एक जज के घर के स्टोर रूम में इतनी नकदी कौन रख गया? क्या यह संभव है।

योगी सरकार के 8 साल पूरे, विपक्ष ने उठाया सवाल

» भाजपा ने आठ सालों में यूपी को पूरी तरह से कर दिया बर्बाद : अखिलेश यादव
» बोले- निवेश के दावे खोखले, संकट में किसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। यूपी के पूर्व सीएम कहा की बीजेपी सरकार ने आठ साल में उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। आज उत्तर प्रदेश में बहन, बेटियां और महिलाएं सुरक्षित नहीं है। अन्याय व अत्याचार चरम पर है। भाजपा ने 8 साल में उत्तर प्रदेश को जंगलराज में तब्दील कर दिया है। हत्या, लूट और बलात्कार की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा की सरकार में जनता को कुछ नहीं मिला। प्रदेश में जबर्दस्त भ्रष्टाचार है। लूट और अपराध की बाढ़ है।

यूपी में अपराधियों का साम्राज्य हो गया है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि बलिया के रसड़ा में एक युवती के हाथ बांधकर हत्या के बाद पेड़ पर लटकाने की भयावह तस्वीर आई है। जुल्म और गुनाह के मामले में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार जिस तरह हाथ बांधे खड़ी है, अपराधियों का यह दुस्साहस उसी का नतीजा है। किसान आर्थिक संकट में है। निवेश का दावा खोखला है।

जनता बेहाल है, महंगाई, बेरोजगारी से हर वर्ग त्रस्त

उन्होंने कहा कि अधिकारी और भाजपा के नेता मिलकर उत्तर प्रदेश को लूट रहे हैं। पुलिस प्रशासन पर दबाव डालकर गलत काम और अन्याय कर रहे हैं। जनता बेहाल है, महंगाई, बेरोजगारी से हर वर्ग त्रस्त है। स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाएं पूरी तरह से चौपट हो चुकी हैं। अस्पतालों में दवाई और इलाज नहीं मिल रहा है। मेडिकल कॉलेज में पर्याप्त स्टाफ नहीं है। भाजपा ने शिक्षण संस्थानों को बर्बाद कर दिया।

गांव-गांव में पढ़ा लिखा नौजवान खाली घूम रहा

अखिलेश यादव ने कहा कि गांव-गांव में पढ़ा लिखा नौजवान खाली घूम रहा है और उसके हाथ में काम नहीं है। नौकरी व रोजगार हर क्षेत्र में भेदभाव हो रहा है। उत्तर प्रदेश के इस हालात के लिए मुख्यमंत्री अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकते हैं।

कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाएगी सपा

सपा शीघ्र ही कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाएगी। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कार्यकर्ताओं को तैयार करने के लिए ये आयोजन जिलेवार होंगे। सपा अपनी पीडीए की नीति और संविधान व आरक्षण पर सोच को इन कार्यकर्ताओं के सामने रखेगी। साथ ही 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण में गड़बड़ी पर अपनी बात रखते हुए खतरों से उन्हें आगाह करेगी। ताकि, वे इन्हीं बातों को जनता के बीच लेकर जाएं। साथ ही उनको पार्टी की रीति-नीति से भी अवगत कराया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, इन कार्यक्रमों में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता भी शामिल होंगे।

भाजपा सरकार से जनता दुखी : मायावती

» बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा- राज्य में कानून व्यवस्था का बुरा हाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के आठ वर्ष पर भाजपा के उत्सव मनाने पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा को निशाने पर लिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके भाजपा के शासनकाल को खराब दौर बताया। लिखा कि भाजपा सरकार में जनता बेहाल है। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए।

बसपा सुप्रीमो ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भाजपा, कांग्रेस या अन्य किसी पार्टी को राजनैतिक स्वार्थ में संविधान के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे। विशेषकर आरक्षण के मामले में संविधान को किसी भी कीमत पर बदलने नहीं देंगे। इसके लिए यदि संघर्ष करना पड़ा तो बसपा इसके लिए तैयार है। आगे उन्होंने लिखा कि यूपी में भाजपा सरकार के आठ सालों का शासनकाल जनता के विश्वास में खरा नहीं उतरा। भाजपा सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था का बुरा हाल है। इससे जनता को काफी दु:ख मिला है। सरकार को इस पर जरूर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस, बीजेपी व अन्य किसी भी पार्टी को उनके राजनैतिक स्वार्थ में, ख़ासकर आरक्षण को लेकर अपने देश के संविधान को किसी भी कीमत पर बदलने नहीं देंगे तथा जरूरत पड़ने पर इसके विरुद्ध बी.एस.पी. संघर्ष के लिए भी तैयार है।

दु:खी एवं पीड़ितों की मदद के लिए बसपा की स्थापना हुई

अपने एक्स पोस्ट पर बसपा सुप्रीमो ने लिखा को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को मनुस्मृति का पूरा ज्ञान था। उन्हें भी इसका पूरा ज्ञान है। इसीलिए बसपा ने इस व्यवस्था के विरुद्ध हमेशा आवाज उठाई। यह भी सर्वविदित है कि इसी को ध्यान में रखते हुए दु:खी एवं पीड़ितों को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए बसपा की स्थापना की गई है।

प्रदेश सरकार के सभी दावे हवाई एवं झूठे हैं : अजय राय

» आठ साल पर कांग्रेस की तल्ख टिप्पणी, इस्तीफा दें सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सरकार के आठ साल पूरे होने पर तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सरकार के सभी दावे हवाई एवं झूठे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में जनता इस झूठ का जवाब देगी। मुख्यमंत्री खुद से इस्तीफा देकर मठ जाएं। क्योंकि, उन्हें नहीं पता कि बच्चे की फीस और दवा कैसे आती है। कांग्रेस तीन दिन तक हर मंडल में सरकार का पर्दाफाश करेगी। इसके बाद धरना प्रदर्शन शुरू होगा। सरकार के भ्रष्टाचार और झूठ को उजागर किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आईएएस अभिषेक प्रकाश के खिलाफ लगतार शिकायतें मिलीं, लेकिन घूसखोरी को बढ़ावा दिया गया। जब कमीशन नहीं मिला तो करवाई की गई। हर तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है। रामपथ में भी घोटाला हुआ। भाजपा सरकार सामाजिक सद्भाव बिगड़ने पर उतारू है।

बहराइच, मथुरा की घटना इसका प्रमाण है। लगातार अत्याचार हो रहा है। मंत्री और भाजपा के नेता लोगों का शोषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बताए कि अपने नेता को कपड़ा कब पहनाएंगे।। आठ साल का दावा उनके अपने ही लोग खारिज कर रहे हैं।

कानून-व्यवस्था में फेल

कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्र मोना ने कहा कि लखनऊ में सीएम रहते हैं। यहां सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त है। रेप के बाद बेटी की गला दबाकर हत्या की गई। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या सीएम जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि एनसीआरटी का डाटा देखा जाय तो स्पष्ट है कि अपराध में बढ़ोतरी हुई है। डिजिटल अपराध पर सरकार का कोई नियंत्रण न नहीं है।

संविधान पर हमला, आरक्षण खत्म करने की साजिश

विधायक दल की नेता आराधना मिश्र मोना ने कहा कि सरकार संविधान पर हमला कर रही है। लोगों के अधिकार का हनन कर रही है।। आरक्षण को खत्म किया जा रहा है। हर नियुक्ति में आरक्षण की अनदेखी की जा रही है। कंट्रेक्ट भर्ती को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि आरक्षण न देना पड़ा। सरकार और एजेंसी का आपस में संबंध है। इसलिए आरक्षण को दरकिनार करके नियुक्ति की जा रही है।

चुनकर एक ही धार्मिक संस्थान को बनाया जा रहा निशाना : उमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। वक्फ संशोधन बिल पर बात करते हुए जम्मू-कश्मीर के सीएम मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुद्दे पर चिंताएं स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, एक ही धर्म के संस्थान को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि हर धर्म के अपने-अपने धार्मिक संस्थान हैं। मुस्लिम समुदाय द्वारा धर्मार्थ कार्य वक्फ के माध्यम से किए जाते हैं।

ऐसे में किसी एक धार्मिक संस्थान को चुनकर निशाना बनाना उचित नहीं है।कठुआ के हीरानगर में आतंकियों के देखे जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, पहले भी इस तरह की घटनाएं हुई हैं। अगर वहां आतंकी देखे गए हैं, तो संभावना है कि वे सीमा पार से आए होंगे।

विपक्ष का हक न दबाएं अध्यक्ष : जूली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान जबरदस्त हंगामा हो गया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली बिजली से जुड़े एक सवाल पर पूरक प्रश्न पूछने के लिए खड़े हुए लेकिन स्पीकर वासुदेव देवनानी ने यह कहते हुए अनुमति देने से मना कर दिया कि यह एक विधानसभा का सवाल है इसलिए इस पर आपका पूरक प्रश्न नहीं बनता। प्रांत का प्रश्न होता तो आप पूछते।

जूली ने इसका विरोध किया तो देवनानी तैश में आ गए। देवानानी ने कहा कि मैं आपको जितना कॉपरेट कर रहा हूं आप लोग गलत फायदा उठा रहे हो। मैं आपको 3 बार पूरक प्रश्न पूछने की अनुमति दे चुका हूं। इस पर जूली बिफर गए और बोले कि आप सवाल पूछने की अनुमति देकर हम पर कोई अहसान नहीं कर रहे हो, यह विपक्ष का हक है। लेकिन स्पीकर ने अनुमति देने से स्पष्ट रूप से मना कर दिया और अगला सवाल पुकार दिया।

महाराष्ट्र विस से ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न देने की सिफारिश वाला प्रस्ताव पारित

» राकांपा के विधायक छगन भुजबल और कांग्रेस के विधायक विजय वडेट्टीवार का समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा ने सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर सिफारिश की कि केंद्र सरकार समाज सुधारकों महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करे।

मंत्री जयकुमार रावल ने यह प्रस्ताव पेश किया, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विधायक छगन भुजबल और कांग्रेस के विधायक विजय वडेट्टीवार ने इसके समर्थन में अपने विचार रखे। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि लोगों ने फुले को दी गई महात्मा की उपाधि को मान्यता दी है और अब भारत रत्न राज्य की ओर से मान्यता होगा। उन्होंने कहा, महात्मा की उपाधि देश में हर चीज से ऊपर थी और केवल दो लोगों, महात्मा फुले और महात्मा गांधी को यह सम्मान प्राप्त हुआ।

संसद से लेकर सड़क तक फिर संग्राम

वक्फ बिल, परिसीमन व नई एजूकेशन पॉलिसी पर रार

» विपक्ष ने मोदी सरकार पर किया वार

» भाजपा पर हमलावर हो रही कांग्रेस व सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वक्फ बिल, परिसीमन व नई एजूकेशन पॉलिसी को लेकर विपक्ष के निशाने पर एनडीए सरकार खासतौर से भाजपा आ गई है। वहीं कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण को लेकर संसद में कांग्रेस व भाजपा जोरदार वार पलटवार रहा। वहीं सपा ने यूपी में महिला सुरक्षा को लेकर लोस में प्रदर्शन किया और योगी सरकार को घेरा।

राज्यसभा में सोमवार को जबरदस्त हंगामा देखने को मिला, जब सत्ता पक्ष ने कर्नाटक सरकार पर मुस्लिम आरक्षण देने का आरोप लगाया। इस मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोपों का खंडन किया, लेकिन इसके बाद सदन में दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस छिड़ गई, जिसकी वजह से कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया गया। राज्यसभा की कार्यवाही की शुरुआत होते ही संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कर्नाटक सरकार की ओर से मुस्लिम आरक्षण दिए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के सीनियर नेताओं ने ये कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो वे संविधान तक को बदलने के लिए तैयार हैं, रिजिजू ने ये भी कहा कि अगर यह बयान किसी सामान्य व्यक्ति का होता तो वह इसे नजरअंदाज कर सकते थे, लेकिन ये बयान संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति का है जो बेहद चिंताजनक है।

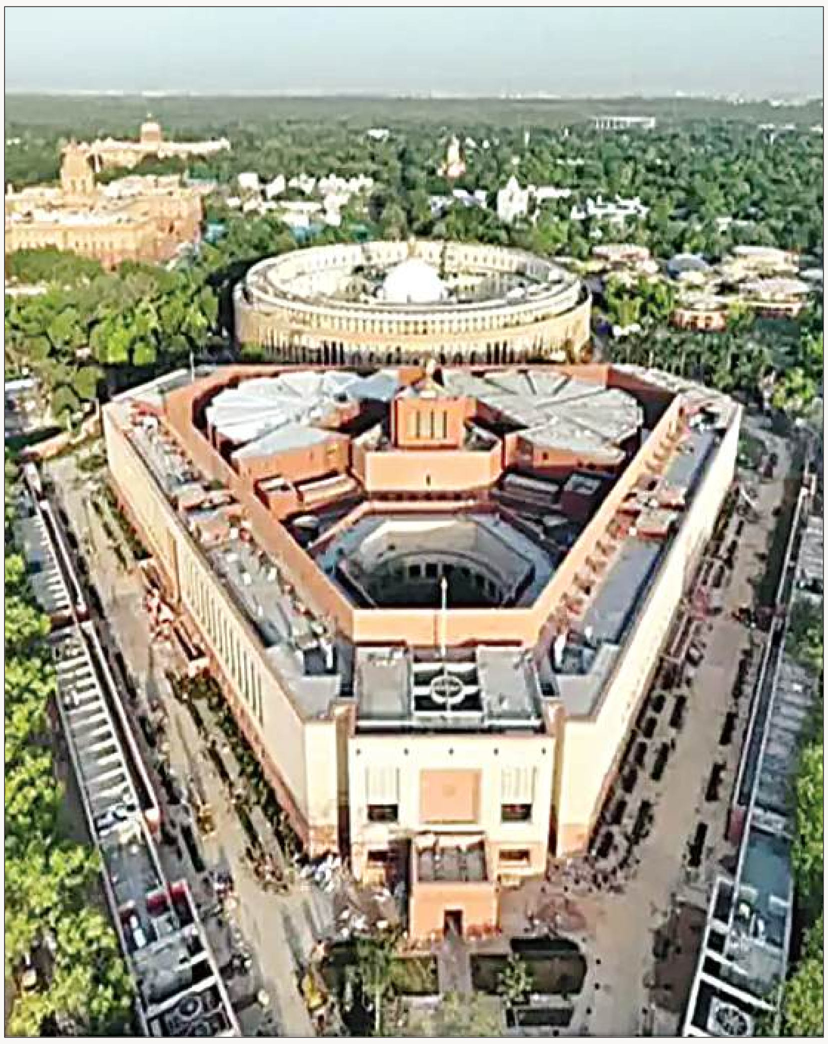

कांग्रेस के निशाने पर आरएसएस

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देश के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा हुआ है। उन्होंने यहां जंतर-मंतर पर 'इंडिया' गठबंधन के विभिन्न घटक दलों की छात्र इकाइयों के संयुक्त प्रदर्शन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी को मिलकर रोकना एवं पराजित करना है।विपक्षी पार्टियों की छात्र इकाइयों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा नियमों और पेपर लीक के मुद्दों को लेकर 'संसद मार्च' का आह्वान किया था। राहुल गांधी ने दावा किया, ''एक संगठन हिंदुस्तान का भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा है। उस संगठन का नाम आरएसएस है। यदि शिक्षा व्यवस्था उनके हाथ में चली जाएगी, जो धीरे धीरे जा रही है, तो देश बर्बाद हो जाएगा और इस देश में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा।'उनका कहना था, ''आज छात्रों को यह बताने की जरूरत है कि सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति आरएसएस द्वारा नामित हैं और आने वाले समय में राज्यों के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति भी आरएसएस द्वारा नामित होंगे। यह देश के लिए खतरनाक हैं। इसे हमें रोकना है।राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बेरोजगारी और महंगाई पर बात नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा, ''देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने महाकुंभ के बारे में लोकसभा में बात की। मैं यह बोलना चाहता था कि कुंभ के बारे में बात करना अच्छी बात है, लेकिन भविष्य के बारे में बात करनी चाहिए, बेरोजगारी के खिलाफ बात करनी चाहिए।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया, ''प्रधानमंत्री बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा व्यवस्था के बारे में बात नहीं करते क्योंकि प्रधानमंत्री का मॉडल, भाजपा और आरएसएस का मॉडल है जिसके तहत अदाणी, अंबानी को सारा धन देना और आरएसएस को सारी संस्थाओं का नियंत्रण देना है।उन्होंने छात्र संगठनों से कहा, ''हमारी विचारधारा और नीतियों पर थोड़ा फर्क हो सकता है, लेकिन हम हिंदुस्तान की शिक्षा प्रणाली को लेकर कभी समझौता नहीं करेंगे। हम मिलकर कदम बढ़ाएंगे और आरएसएस-भाजपा को हराएंगे।

देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश हो रही : पाल

वक्फ संयुक्त समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने सोमवार को कहा कि वे देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इमरान मसूद हों या पर्सनल ला वे अल्पसंख्यकों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। वे अपने विरोध प्रदर्शनों के ज़रिए देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने पर्सनल ला को वक्फ जेपीसी के सामने बुलाया था। हमने उनके विचारों को रिकॉर्ड किया और शामिल किया। पर्सनल लॉ बोर्ड किस बात का विरोध कर रहा है, जब सरकार अभी तक संशोधित विधेयक भी नहीं लाई है?

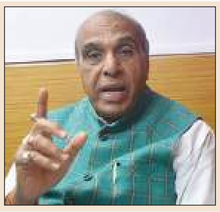

एआईएमपीएलबी ने दिया नीतीश नायडू को अल्टीमेटम

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की, जिसके तहत विरोध के पहले चरण के तहत 26 और 29 मार्च को पटना और विजयवाड़ा में राज्य विधानसभाओं के सामने बड़े पैमाने पर धरना देने की योजना बनाई गई है। एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता एसक्यूआर इलियास ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित जेडी(यू), आरजेडी, कांग्रेस और लोक जनशक्ति पार्टी के नेताओं को पटना में आमंत्रित किया गया है। एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता और वक्फ विधेयक के खिलाफ कार्रवाई समिति के संयोजक एसक्यूआर इलियास ने कहा, अल्लाह की कृपा और इन समूहों के एकजुट समर्थन के बिना, दिल्ली प्रदर्शन की सफलता संभव नहीं होती। एआईएमपीएलबी की 31 सदस्यीय कार्य समिति ने विधेयक का विरोध करने के लिए सभी 'संवैधानिक, कानूनी और लोकतांत्रिक साधनों' का उपयोग करने का संकल्प लिया है। आगामी विरोध प्रदर्शन में एआईएमपीएलबी के वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय धार्मिक और सामाजिक संगठनों के भी भाग लेने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस और वामपंथी दलों को निमंत्रण जारी किया गया है। इलियास ने कहा कि इन विरोध प्रदर्शनों का उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन सहयोगियों को यह स्पष्ट संदेश देना है कि या तो विधेयक से समर्थन वापस ले लें या फिर हमारा समर्थन खोने का जोखिम उठाएं। अपने राष्ट्रव्यापी आंदोलन की योजना के तहत बोर्ड ने हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, मलेरकोटला (पंजाब) और रांची में बड़ी रैलियाँ आयोजित करने की योजना बनाई है। इस अभियान में जिला स्तर पर धरना प्रदर्शन, मानव श्रृंखला और सोशल मीडिया अभियान, विशेष रूप से एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हैशटैग अभियान शामिल होंगे।

उप्र में महिला सुरक्षा को लेकर सपा ने योगी का मांगा इस्तीफा

समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसदों ने उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा के मुद्दे को लेकर सोमवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं जिन पर उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति और 'बेटियों पर अत्याचार' का उल्लेख था। सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने कहा, ''उत्तर प्रदेश की यह स्थिति हो गई है कि लड़कियों को मारकर लटका दिया जाता है। पहले अयोध्या में हुआ, फिर बलिया और बनारस में हुआ। कोई सुनने वाला नहीं है। कानून-व्यवस्था पूरी तरह भंग हो चुकी है। उन्होंने कहा, ''हमारी मांग है कि अन्याय करने वालों को दंड मिले। यदि ऐसा नहीं हो सकता तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री इस्तीफा दें। वह महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहे हैं।'' सपा सांसदों ने संसद के दोनों सदनों में भी यह विषय उठाने का प्रयास किया।

घुसपैठ के मुद्दे पर घिरी झारखंड भाजपा

झारखंड की राजनीति में एक बार फिर बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को लेकर बयानबाजी तेज हो चुकी है। लोकसभा में लगातार भाजपा से गोड्डा सांसद संथाल परगना में हो रही बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को उठा रहे हैं। वहीं, विधानसभा सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा बांग्लादेशी मुद्दे पर झारखंड सरकार को घेरा जा रहा है। अब पलटवार करते हुए झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने कहा, अगर राज्य से एक भी बांग्लादेशी घुसपैठ मिल गया तो राजनीति से दे दूंगा इस्तीफा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष ने राज्य में एनआरसी लागू कराने की बात कर दी। साथ ही साथ उन्होंने आरोप लगाया कि संथाल परगना में बढ़ती बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण डेमोग्राफिक चेंज हो रहा है, जिससे आदिवासी समाज शोषण का शिकार हो रहे हैं। इस पर जमकर हंगामा हुआ।बाबूलाल मरांडी के समर्थन में पूर्व मंत्री रणधीर सिंह ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी पर व्यंग्य करते हुए उन्हें ही बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान कह दिया। यहां तक कि झारखंड में एनआरसी लागू कर उन्हें झारखंड से बाहर करने की बात कह दी है। ज्ञात हो पिछले दिनों इरफान अंसारी ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के गिरिडीह दौरे पर तंज कसते हुए कहा था, वह छत्तीसगढ़ से आए हैं और उनकी राजनीति समाप्त हो चुकी है। बाबूलाल मरांडी और रणधीर सिंह के बयान के बाद सदन का माहौल गरमा गया है। मौके पर पलटवार करते हुए झारखंड सरकार में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा, विपक्ष कमजोर हो चुका है। इनके पास कोई मुद्दा नहीं है। लेकिन अगर आपसी भाईचारे को खत्म करने की कोशिश की जाएगी तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। झारखंड सरकार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विकास के लिए कार्य कर रही है।बाबूलाल मरांडी को चेतावनी देते हुए इरफान अंसारी ने कहा, अगर राज्य में एक भी बांग्लादेशी घुसपैठ मिल गया तो राजनीति से इस्तीफा दे दूंगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

शुद्ध पानी पहुंचाने की व्यवस्था करे सरकार!

> इक्कीसवीं सदी में भारत नित नई ऊंचाइयां छू रहा है। अंतरिक्ष से लेकर सागर की गहराइयों तक भारत नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सूचना क्रांति की बदौलत आज आम आदमी भी मोबाइल के जरिए कहीं भी संपर्क स्थापित कर सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि आज भी देश के करोड़ों लोगों की स्वच्छ पानी तक पहुंच नहीं है। आजादी के करीब आठ दशक बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में तो पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा है।

देश में घर-घर पानी देने की योजना चल रही है। बहुत से घरों में अब भी नल नहीं पहुंचे हैं। कुछ जगहों में पानी पहुंचने लगा है पर अशुद्ध रूप में आम उपभोक्ताओं को प्राप्त हो रहा है। उत्तर व मध्य भारत के कई शहरों व कस्बाई इलाकों में आर्सेनिक व फ्लोराइड वाला पानी प्राप्त हुआ है। इसकी वजह से शारीरिक विकृतियां पाई गई हैं। कुल मिला सरकारों को नल से जल देने के साथ-साथ शुद्ध जल की आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी। इक्कीसवीं सदी में भारत नित नई ऊंचाइयां छू रहा है। अंतरिक्ष से लेकर सागर की गहराइयों तक भारत नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सूचना क्रांति की बदौलत आज आम आदमी भी मोबाइल के जरिए कहीं भी संपर्क स्थापित कर सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि आज भी देश के करोड़ों लोगों की स्वच्छ पानी तक पहुंच नहीं है। आजादी के करीब आठ दशक बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में तो पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा है।

इस समस्या के समाधान के लिए जल जीवन मिशन जैसी सरकारी योजना भी बनी, लेकिन कई राज्यों में इस योजना पर ठीक तरह से अमल नहीं होने से अब तक लक्ष्य नहीं पाया जा सका है। इस योजना के तहत 2024 तक ग्रामीण क्षेत्र के सभी घरों तक नलों से जल पहुंचाने का लक्ष्य बनाया गया था, लेकिन राजस्थान, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड और केरल तो अब भी इस मामले में बहुत पीछे चल रहे हैं। जल संसाधन से जुड़ी स्थाई समिति ने लोकसभा में इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट पेश की है। जल स्रोतों की कमी, भौगोलिक स्थिति, तकनीकी क्षमता-संसाधनों की कमी, कनेक्शन प्रक्रिया की जटिलता जैसे कारण भी लक्ष्य पूरा करने में बाधक माने गए हैं। सवाल यह है कि जब केंद्र सरकार बड़े स्तर पर ऐसी योजना चला रही है तो संसाधनों की कमी तो आनी ही नहीं चाहिए। पेयजल आपूर्ति से जुड़ी किसी भी योजना पर किसी भी स्तर लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी योजनाओं को प्राथमिकता से पूरा करना चाहिए और कनेक्शन से जुड़ी जटिलताओं को तो तुरंत दूर किया ही जाना चाहिए। पानी हर प्राणी की बुनियादी आवश्यकता है। इसके बावजूद जनता को स्वच्छ पानी उपलब्ध करवाने का मुद्दा हाशिए पर ही नजर आता है। सरकार भी घरों तक नल कनेक्शन पर ही ध्यान दे रही है। इस बात की परवाह नहीं की जा रही है कि नलों से घर तक स्वच्छ पानी पहुंच रहा है या नहीं। यही वजह है कि हाल ही पुणे और कुछ दूसरे शहरों में गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के मामले सामने आए। यह एक अस्थायी न्यूरोलॉजिकल विकार है। इसमें तंत्रिकाओं में सूजन आ जाती है, जिससे मांसपेशियों में कमजोरी या पक्षाघात हो सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गंभीर पहल से ही सुलझेगा मणिपुर संकट

बी.एल. वोहरा

आखिरकार, भाजपा और उसके जरिए, भारत सरकार ने पिछले कुछ समय से मणिपुर में फैली अव्यवस्था को सुलझाने की दिशा में कुछ निर्णायक कदम उठाए हैं। सरकार ने पहले एक अनुभवी नौकरशाह को राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया, फिर भाजपा शासित मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को पद छोड़ने को कहा और चार दिन बाद 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। ये सभी कदम एक साथ और जल्दी-जल्दी उठाए गए। लेकिन काफी वक्त से यह लंबित था। स्वयं भाजपा और राज्य में भाजपा सरकार उम्मीद के विपरीत आस लगाए हुए थी कि 3 मई, 2023 को राज्य में हिंसा शुरू होने के बाद से सरकार ने जो कमजोर कदम उठाए हैं, उनसे मामले सुलझ जाएंगे। बीच-बीच में कुछ समय के लिए शांति काल के अलावा लंबे समय तक टकराव अनवरत जारी रहा। इसके चलते मैतेई और कुकी जातियों के बीच संबंध बहुत तनावपूर्ण हो गए।

समस्या कई अन्य कारणों से भी बढ़ गई, जिसके विभिन्न पहलुओं पर गंभीर प्रभाव पड़े। दो कारण भाजपा को ठोस कदम उठाने से रोक रहे थे, एक तो यह कि हम एक लोकतंत्र हैं, दूसरा यह कि राज्य में भी सत्ता उसी दल के पास थी, जिसकी केंद्र में सरकार है। ऐसे राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पार्टी के लिए शर्मिंदगी की वजह बनता क्योंकि इसका मतलब होगा कि खुद अपनी ही पार्टी की सरकार के कामकाज पर सवाल उठना। इसके अलावा, पार्टी को ऐसा उत्तराधिकारी मुख्यमंत्री नहीं मिल पाया जो सभी को स्वीकार्य हो। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी ने अब कड़ुवा घूंट पीना तय कर लिया है। देर आय, दुरुस्त आये! भविष्य की ओर देखते हुए, बहुत काम किए जाने की जरूरत है। सबसे पहले, समस्या की उत्पत्ति को देखें ताकि इससे निपटने में मदद मिल सके। म्यांमार में सैन्य शासन यानी जुंटा का अपने देश के संपूर्ण भूभाग पर, खासकर मणिपुर सीमा से लगते इलाके पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं है। इन क्षेत्रों में कई समूह अपनी सरकार से युद्धरत हैं और यहां तक कि कुछ इलाका उनके अधीन भी है।

इसके अलावा, हिंसा के कारण, गोल्डन ट्राइंगल नाम से कुख्यात अंतर्राष्ट्रीय ड्रग व्यापार रूट पर, मुख्य रूप से मोरेह शहर और मणिपुर के क्षेत्र से होकर गुजरने वाला, असर हो रहा था क्योंकि म्यांमार में अफीम की खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में कमी आई थी या विस्तार नहीं हो पाया था। कई कुकी और संबंधित जनजातियां अपने स्थानीय रिश्तेदारों की मदद से मणिपुर में, मुख्य रूप से कुकी बहुल चूड़ाचांदपुर क्षेत्र में आन बसे और उन्होंने मणिपुर में भी अफीम उगाना शुरू कर दिया। स्थानीय लोग भी इस मुनाफेदार खेती में उनके साथ लग गए।

जब यह बात राज्य सरकार के संज्ञान में आई, तो अवैध अप्रवासियों की पहचान करने के लिए कार्रवाई की गई। स्थानीय लोग,जिसकी पीठ पर बहुत अमीर एवं ताकतवर अंतर्राष्ट्रीय ड्रग माफिया का हाथ था,इस कार्रवाई का विरोध करने लगे। वे सरकार को पीछे हटने को मजबूर करना चाहते थे। उनके सौभाग्य से -और राज्य के दुर्भाग्य से- मैतेइयों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने वाली याचिका पर, मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा आए आदेश की गलत व्याख्या ने परेशानी पैदा करने का एक कारण प्रदान किया। 27 मार्च, 2023 को जारी इस आदेश में कहा गया था 'राज्य में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के लिए याचिकाकर्ताओं के मामले पर शीघ्रता से विचार किया जाना चाहिएज्'। इसमें केवल याचिका पर विचार करने के लिए आदेश था, न कि मैतेइयों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के लिए। लेकिन कुकियों ने जानबूझकर इसे गलत ढंग से प्रस्तुत किया, यह कहते हुए कि मैतेइयों को एसटी का दर्जा दे दिया गया है। हालांकि बाद में उच्च न्यायालय ने इस पैराग्राफ को हटा दिया, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था। दोनों पक्षों ने रैलियां निकालनी शुरू कर दीं, कुछ हिंसा भी भड़की और दोनों समुदायों द्वारा नाकेबंदी और जवाबी नाकेबंदी होने लगी। मैतेई बहुल घाटी में और कुकी एवं अन्य संबंधित जनजाति बहुल पहाड़ी इलाके में।

स्थिति बदतर होती चली गई। हालात इतने खराब हो गए कि घाटी के लोग चुड़ाचांदपुर नहीं जा सकते थे और इसके विपरीत चूड़ाचांदपुर वाले घाटी में नहीं आ सकते। कुकियों ने एक अलग प्रशासन की मांग की। वे नहीं चाहते थे कि मैतेई लोगों को एसटी का दर्जा मिले क्योंकि उन्हें लगा कि इससे न केवल उनकी नौकरी का कोटा प्रभावित होगा बल्कि मैतेई लोग वैध तरीके से पहाड़ियों में जमीन भी खरीद सकेंगे। इसलिए, दोनों समुदायों के बीच एक तरह से पूर्ण पैमाने पर जातीय संघर्ष छिड़ गया, जिसमें हिंसा के कारण जान-माल का नुकसान हुआ और दोनों पक्षों के लोगों को विस्थापित होना पड़ा।

इंसान के भीतर ही खुशी का मंत्र

रेनू सैनी

खुशी एक ऐसा तत्व है जो अंतर्मन को जाग्रत करने से मिलती है। यह निःशुल्क है लेकिन फिर भी प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए ही दुनिया में लोग लाखों-करोड़ों खर्च करते हैं। उसके बाद भी प्रसन्नता की कोई गारंटी नहीं होती। लोगों का मानना है कि खुशी धन, यश से आती है। धन और यश क्षणिक वस्तुएं हैं। इनसे पूरे जीवन की खुशी प्राप्त करना असंभव है। हमारा मस्तिष्क एक इच्छा पूर्ण होने के बाद ही दूसरी इच्छाओं की पूर्ति में लग जाता है। इस तरह पहली वस्तु प्राप्ति की इच्छा और खुशी समाप्त हो जाती है। जो वस्तु अप्राप्य है उसकी कामना में हृदय मचलने लगता है। यही दुख का कारण बनता है। इसके अलावा भी दुखी होने के अनेक कारण होते हैं। जब हम काम करते हैं या फिर सामाजिक परिवेश के दौरान कई बार ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं जब हम पर शब्दों की मार पड़ती है। शब्दों की तुलना घातक और विषैले बाण से की जाती है।

ये शब्द अंतर्मन को आहत कर देते हैं। बौद्ध मत कहता है कि नकारात्मक वाक्यों को तुरंत भुला देना चाहिए। इसके लिए बस यह मंत्र अपनाना चाहिए कि, 'कोई ध्यान न दें।' जब शब्दों पर ध्यान दिया जाता है तभी वह शिला की भांति हृदय में गड़ते प्रतीत होते हैं। उस ओर से ध्यान हटा कर अच्छी बातों को सोचने से तनाव और पीड़ा छूमंतर हो जाती है। कहते हैं कि, 'आठों पवन चलते हों तो भी ज़ेन मन नहीं डिगता।' बौद्ध विवेक यही है कि स्वयं की वस्तुओं के मोह से दूर होना सीखें। शब्दों के घेरे में भी न घूमें। खुश रहना हमारे शरीर के रसायनों पर निर्भर करता है। शरीर में डेल्टा, थीटा, अल्फा, बीटा और गामा मस्तिष्क तरंगें होती हैं। इनमें से गामा मस्तिष्क तरंगों की आवृत्ति सभी तरंगों से अधिक होती है। गामा तरंगें उच्च स्तर के विचार और ध्यान से जुड़ी होती हैं। शोध बताते हैं कि यदि मस्तिष्क गामा तरंगों के उच्च स्तर उत्पन्न करता है, तो व्यक्ति अधिक खुश और ग्रहणशील होता है। गामा तरंगों का उच्च स्तर व्यक्ति को एकाग्र, प्रसन्न और कार्यशील स्मृति को अच्छा बनाता है।

कभी न उदास होने वाले व्यक्ति हैं-मैथ्यू रिचर्ड। वे दुनिया के सबसे खुश इंसान हैं। उनका जन्म फ्रांस में हुआ था। खुशी की तलाश में उन्होंने फ्रांस को छोड़ दिया। वे तिब्बत पहुंच गए। यहां आकर वे दलाई लामा के फ्रेंच दुभाषिए का कार्य करने लगे। इस दौरान उन्हें बौद्ध धर्म से जुड़ी नई-नई बातें जानने को मिलीं। उन्होंने इस बात को महसूस किया कि किसी भी नकारात्मक बात पर ध्यान न देना बौद्ध विवेक है। अंग्रेजी में एक कहावत भी है कि, 'आउट ऑफ साइट, आउट ऑफ माइंड'। इसका अभिप्राय यह है कि आंखों और मन से ओझल बातों, वस्तुओं और व्यक्तियों को प्राय: भुला दिया जाता है। यदि इसे सकारात्मक तरीके से प्रयोग किया जाए तो यह बौद्ध विवेक व्यक्तियों की खुशी को जाग्रत करने का सबसे प्रमुख कारण बन सकता है। मैथ्यू ने ध्यान द्वारा अपने मस्तिष्क की गामा तरंगों को अधिक विकसित किया, फलस्वरूप उन्होंने खुश रहने में सफलता प्राप्त की। उनका मानना है कि, 'अब कोई भी बदलाव उन्हें उदास नहीं करता।'

विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने मैथ्यू के सिर पर 256 सेंसर लगाए ताकि उनके अंदर की हलचल को जाना जा सके। ये रिसर्च 12 सालों तक चली। उन्होंने जाना कि जब भी मैथ्यू ध्यान करते थे तो उनका मस्तिष्क गामा तरंगें पैदा करता था। ये तरंगें ध्यान और स्मृति को बढ़ाने में मदद करती हैं। रिसर्च से यह बात साबित हो गई कि मैथ्यू के अंदर इतनी अधिक खुशी है कि वहां पर नकारात्मकता के लिए कोई जगह नहीं है। गामा तरंगें दुनिया के बहुत कम लोगों में पाई जाती हैं। यह किसी भी परिस्थिति में खुशी का स्तर बढ़ाने का काम करती हैं। गामा तरंग के बारे में मैथ्यू का कहना है कि, 'उन्होंने इस तरंग को खुद विकसित किया है।' इंसान के दिमाग में खुशी को लेकर एक विशेष सिस्टम होता है। यह हमारे मस्तिष्क में माथे के आगे के हिस्से और कान के ठीक ऊपर दाहिनी और मौजूद होता है। इसका काम खुशी की तरंगों को उत्पन्न करना है। मैथ्यू कहते हैं कि अब खुशी उनकी जिंदगी का केवल एक हिस्सा भर नहीं, बल्कि आदत बन चुकी है। उनका मानना है कि कुछ कार्यों को करके प्रत्येक व्यक्ति अपनी गामा तरंगों को विकसित कर सकता है और खुश रह सकता है। ये तरीके निम्नलिखित हैं :-

शांत बैठें और खुशी की भावना को 10-20 मिनट तक बनाए रखें। अगर यह गायब हो जाए तो दोबारा इसे महसूस करने की कोशिश करें। एक से दो मिनट तक पूरी आंखें खोलकर देखें। उसके बाद नियमित रूप से हर घंटे 10 सेकंड की काइंडनेस एक्सरसाइज करें। इसमें आप ऐसे कार्य कर सकते हैं जिनसे दूसरों के साथ दयालुता, सहानुभूति और प्यार को बढ़ावा मिले। दूसरों के प्रति सच्ची करुणा करने, उनकी मदद करने से गामा तरंगें मस्तिष्क में तेजी से बढ़ती हैं। परिवार में आप जिसे सबसे अधिक प्रेम करते हैं, उसकी मुस्कराती हुई तस्वीर को एक मिनट तक लगातार देखें। अगर कोई आपसे अपशब्द बोले, अपमान करे उस समय उनके साथ उलझने के बजाय अच्छी बातों और उस व्यक्ति का ध्यान करें जिसे आप सर्वाधिक प्रेम करते हैं। ऐसा करने से दुख और तनाव हावी नहीं हो पाता। मुंह खोलकर पूरी तरह मुस्कराएं। इन सभी को नियमित करने से खुशी की मात्रा बढ़ती जाती है। अगर हर दिन सिर्फ 20 मिनट तक प्रतिदिन ध्यान किया जाए तो 3 सप्ताह तक मन में बदलाव आना शुरू हो जाता है। इस विधि में व्यक्ति हमेशा खुश रह सकता है।

अखरोट
खाने से दिल और दिमाग रहेंगे हेल्दी

अखरोट को अंग्रेजी में Walnut कहा जाता है। वहीं, वैज्ञानिक भाषा में Juglans Regia कहा जाता है। अखरोट एक स्वादिष्ट और पौष्टिक ड्राई फ्रूट है, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, वसा, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन-ई, बी6, कैलोरी समेत कई आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो विभिन्न प्रकार की बीमारियों में प्रभावी होते हैं। इसके सेवन से मधुमेह समेत दिल की बीमारियों में आराम मिलता है। खासकर, हृदय के लिए अखरोट किसी वरदान से कम नहीं है। भीगे हुए अखरोट खाने से इसके फायदे और भी बढ़ जाते हैं। इसलिए रात को 4-5 अखरोट पानी में भिगो दें। सुबह खाली पेट खाएं। आप भीगे हुए अखरोट को अपनी पसंदीदा स्मूदी या ओट्स में भी मिला सकते हैं। अखरोट का उपयोग सलाद, पास्ता, सुबह के अनाज, सूप और बेक किए गए सामान में किया जा सकता है। साथ ही, अखरोट को अक्सर नाश्ते के रूप में खाया जाता है।

डायबिटीज में राहत

भीगे हुए अखरोट खाने से डायबिटीज को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। अखरोट में इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने वाले गुण होते हैं। यह ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करने में मदद करता है। अखरोट में प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है जो ब्लड में शुगर के स्तर को कंट्रोल करता है। अखरोट ब्लड में शुगर के स्तर को कंट्रोल करने और टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने में मदद करने के लिए जाना जाता है। अखरोट में फाइबर भरपूर मात्रा में मौजूद होता है। जो रक्त प्रवाह में शुगर की गति को कम करता है।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

भीगे हुए अखरोट खाने से त्वचा और बालों के स्वास्थ्य में सुधार होता है। अखरोट में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन-ई होते हैं, जो त्वचा और बालों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह त्वचा को चमकदार और बालों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

हड्डियों को बनाए मजबूत

अखरोट खाने से हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है। अखरोट में कैल्शियम और मैग्नीशियम की मात्रा ज्यादा होती है, जो हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करने में भी मदद करता है।

वजन घटाने में सहायक

भीगे हुए अखरोट खाने से वजन घटाने में मदद मिलती है। अखरोट में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है, जो हमें लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है। यह हमें ज्यादा खाने से रोकता है और वजन घटाने में मदद करता है।

तनाव करे कम

भीगे हुए अखरोट खाने से तनाव कम करने में मदद मिलती है। अखरोट में मैग्नीशियम होता है, जो तनाव को कम करने में मदद करता है। यह नींद को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। अखरोट में ओमेगा 3 फैटी एसिड, एंटीऑक्सीडेंट्स, मेलाटोनिन, पोलीफिनॉल, फॉलेट और विटामिन ई जैसे तत्व मौजूद होते हैं जो ब्रेन हेल्थ को भी मजबूत बनाते हैं।

पाचन में सुधार

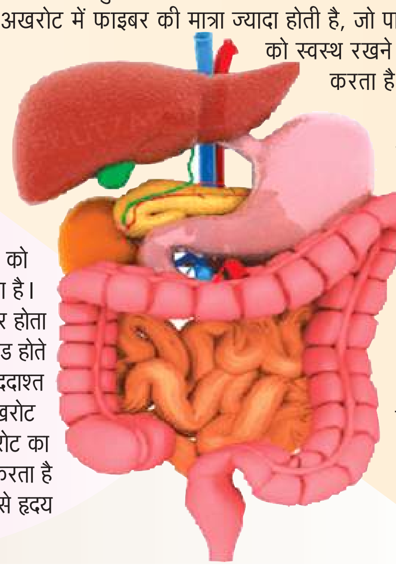

भीगे हुए अखरोट खाने से पाचन क्रिया में सुधार होता है। अखरोट में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है। भीगने के बाद अखरोट नरम हो जाते हैं, जिससे उन्हें पचाना आसान हो जाता है।

दिल और दिमाग के लिए फायदेमंद

भीगे हुए अखरोट खाने से दिल के स्वास्थ्य में सुधार होता है। अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो दिल के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है। वहीं भीगे हुए अखरोट खाने से दिमाग के स्वास्थ्य में सुधार होता है। अखरोट में एंटीऑक्सीडेंट और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं, जो दिमाग को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह याददाश्त और फोकस को बढ़ाने में भी मदद करता है। अखरोट शरीर में लिपिड की वृद्धि को बढ़ावा देता है। अखरोट का सेवन शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है और गुड केलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है।

हंसना मना है

पापा- दिन भर फेसबुक पर बैठा रहता है, ये तुझे रोटी नहीं देने वाली, बेटा- पापा मुझे भी पता है रोटी नहीं देगी, पर रोटी बनाने वाली तो यहीं मिलेगी!

मां अपने बेटे से- उठ जा कम्बखत, देख सूरज कब का निकल आया है, बेटा अपनी मां से- तो क्या हुआ मां! वो सोता भी तो मुझसे पहले है।

पहला सरदार- मैंने अपनी वाईफ को 12वीं पास करवाई, फिर, बीए, फिर एमए, और उसकी सरकारी जॉब लगवा दी, अब क्या करूं? दूसरा सरदार- अच्छा लड़का देख कर शादी कर दे!

सरदार ट्रेन कि पटरी पर सो गया, एक आदमी बोला ट्रेन आएगी तो मर जायेगा, सरदार - साले, अभी प्लेन ऊपर से गया, कुछ नहीं हुआ। तो ट्रेन क्या चीज है?

लड़का- यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त - क्यों? लड़का- जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, साली 'चाकू' लेके पीछे पड़ गयी है!

शहर की लड़की की शादी गांव में हो गई। लड़की की सास ने उसे भैंस को घास डालने को बोला। भैंस के मुंह में झाग देख कर लड़की वापस आ गई। सास बोली: क्या हुआ बहू? लड़की बोली- भैंस अभी कोलगेट कर रही है, मां जी। सास बेहोश?

कहानी | गौरैया और बंदर

एक बार की बात है, एक जंगल के किसी घने पेड़ पर एक गौरैया का जोड़ा रहता था। वो उस पेड़ पर अपना घोंसला बनाकर गुजर-बसर करते थे। दोनों खुशी-खुशी अपना जीवन बीता रहे थे। फिर आया सर्दियों का मौसम, इस बार बहुत ही कड़ाके की ठंड पड़ने लगी। ठंड से बचने के लिए एक दिन कुछ बंदर उस पेड़ के नीचे ठिठुरते हुए पहुंचे। तेज ठंडी हवाओं से सभी बंदर कांप रहे थे और बहुत ही परेशान थे। पेड़ के नीचे बैठने के बाद वो आपस में बात करने लगे कि काश कहीं से आग सेंकने को मिल जाती तो ठंड दूर हो जाती। उसी बीच एक बंदर की नजर पास पड़ी सूखी पत्तियों पर पड़ी। उसने दूसरे बंदरों से कहा, चलो इन सूखी पत्तियों को इकट्ठा करके जलाते हैं। उन बंदरों ने पत्तियों को एक जगह इकट्ठा किया और उन्हें जलाने का उपाय करने लगे। ये सब पेड़ पर बैठी गौरैया देख रही थी। ये सब देखकर उससे रहा नहीं गया और वो बंदरों से बोल पड़ी, तुम लोग कौन हो? देखने में तो तुम आदमियों की तरह लग रहे हो, हाथ-पैर भी हैं, तुम अपना घर बनाकर क्यों नहीं रहते? गौरेया की बात सुनकर ठंड से कांप रहे बंदर चिढ़ गए और बोले, तुम अपना काम करो, हमारे काम में पड़ने की जरूरत नहीं है। इतना कहने के बाद वो फिर आग जलाने के बारे में सोचने लगे और अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। इतने में बंदरों की नजर एक जुगनू पर पड़ी। वो चिल्लाने लगा, देखो ऊपर हवा में चिंगारी है, इसे पकड़कर आग जलाते हैं। यह सुनते ही सारे बंदर उसे पकड़ने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। ये देख चिड़िया फिर बोल पड़ी, यह जुगनू है, इससे आग नहीं सुलगेगी। तुम लोग दो पत्थरों को घिसकर आग जला सकते हो। बंदरों ने चिड़िया की बात को अनसुना कर दिया। कई कोशिश के बाद उन्होंने जुगनू को पकड़ लिया और फिर उससे आग जलाने की कोशिश करने लगे, पर वो इस काम में कामयाब नहीं हो पाए और जुगनू उड़ गया। इससे बंदर निराश हो गए। इतने में फिर से गौरेया बोल उठी, आप लोग मेरी बात मानिए, पत्थर रगड़कर आप आग जला सकते हैं। इतने में एक गुस्साए हुए बंदर से रहा न गया और उसने पेड़ पर चढ़कर गौरेया के घोसले को तोड़ दिया। यह देख चिड़िया दुखी हो गई और डर कर रोने लगी। इसके बाद वो उस पेड़ से उड़कर कहीं और चली गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी।

वृषभ

आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है।

मिथुन

जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

कर्क

बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। विवाद न करें।

सिंह

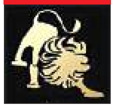

कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

कन्या

मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

तुला

दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु

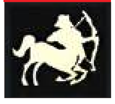

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

मकर

विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

कुम्भ

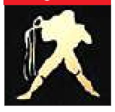

समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन

राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे अक्सर अपनी ही फिल्म के सेट पर रोक दिया जाता था : नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने उनके साथ सेट पर हुए कई किस्सों को लेकर खुलासा किया। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने ऋतिक रोशन की तारीफ की और बताया कि कैसे ऋतिक रोशन उनसे अलग और अनोखे दिखते हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उन्हें अक्सर अपनी ही फिल्म के सेट पर रोक दिया जाता था। उन्हें भीड़ में घुलने-मिलने में मजा आता है। शुरुआती दिनों में जब वे ऑडिशन के लिए जाते थे, तो लोग कहते थे कि वे अभिनेता जैसे नहीं दिखते। इससे उन्हें गुस्सा और दुख होता था। वे कहते हैं कि लोग उनसे पूछते थे, आप कौन हैं? और जब वे बताते कि वे अभिनेता हैं, तो लोग कहते, आप तो अभिनेता जैसे दिखते नहीं। इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने कहा, आप अपरंपरागत दिखते हैं। भाई, मैं अपरंपरागत कैसे हो सकता हूं, जब भारत में करोड़ों लोग मेरे जैसे दिखते हैं। मैं पारंपरिक हूं, यह ऋतिक रोशन हैं जो अपरंपरागत दिखते हैं। इंटरव्यू के दौरान नवाजुद्दीन ने फिल्म तलाश का एक किस्सा सुनाया। तलाश की शूटिंग के दौरान एक गार्ड ने उन्हें सेट में घुसने से रोक दिया था। गार्ड को समझाने के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया गया। वे कहते हैं कि आज भी उनके साथ ऐसा होता है। हाल ही में रात अकेली है पार्ट 2 की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर हनी त्रेहान उन्हें ढूंढते थे, जबकि वे उनके ठीक पीछे खड़े होते थे। नवाजुद्दीन को यह सब अच्छा लगता है। वे कहते हैं कि उनका ऐसा स्वभाव है और वे इसका फायदा उठाते हैं। पहले एक इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने रंग और शक्ल को लेकर लोगों के बुरे बर्ताव के बारे में भी बात की थी। नवाजुद्दीन ने कहा कि लोग उन्हें हमेशा कहते हैं कि वे बदसूरत हैं। दुख की बात यह है कि अब वे भी इस पर यकीन करने लगे हैं। वे कहते हैं, कुछ लोग मेरी शक्ल से नफरत क्यों करते हैं, पता नहीं। शायद इसलिए कि मैं इतना बुरा दिखता हूं। मैं खुद को आईने में देखता हूं तो सोचता हूं कि इतनी खराब शक्ल लेकर फिल्म इंडस्ट्री में क्यों आया?

पहली मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2'

अजय देवगन एक बार फिर इनकम टैक्स ऑफिस के किरदार में बॉक्स ऑफिस पर छापेमारी करने आ रहे हैं। एक लंबे इंतजार और कई तारीखों के बदलाव के बाद अब 2018 में आई अजय देवगन की फिल्म 'रेड' की सीक्वल फिल्म 'रेड 2' अपनी रिलीज को तैयार है। अजय देवगन ने फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'रेड 2' का एक नया पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म की नई रिलीज डेट का भी एलान कर दिया है। पोस्टर जारी करते हुए अजय ने अपने कैप्शन में लिखा, नया शहर, नई फाइल और अमय पटनायक की एक नई रेड। 'रेड 2' 1 मई से आपके नजदीकी सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

फिल्म 'रेड 2' में अजय देवगन के अलावा रितेश देशमुख, वाणी कपूर और सौरभ शुक्ला भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन राजकुमार गुप्ता करेंगे।

'रेड 2' की रिलीज को लेकर इससे पहले भी कई तारीखें दी गईं, लेकिन फिल्म आगे बढ़ गई। पहले फिल्म को 15 नवंबर 2024 को ही रिलीज होना था, लेकिन फिर इसकी रिलीज को 21 फरवरी 2025 तक के लिए आगे बढ़ा दिया गया था। हालांकि, फिल्म तब भी रिलीज नहीं हो सकी। अब फिल्म की नई रिलीज डेट जारी की गई है। फिल्म की अधिकांश शूटिंग दिल्ली और लखनऊ में की गई है।

'रेड 2' 2018 में आई फिल्म 'रेड' का सीक्वल है। फिल्म 'रेड' 1980 में यूपी में एक बाहुबली के घर पर हुई रेड की कहानी पर आधारित थी। यह रेड कई दिनों तक चली थी, जो भारतीय इतिहास की सबसे लंबी छापेमारी मानी जाती थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को पसंद आई थी। 'रेड' में अजय देवगन के साथ इलियाना डिक्रूज और सौरभ शुक्ला जैसे कलाकार नजर आए थे।

केसरी 2 का टीजर रिलीज, 18 अप्रैल को आयेगी फिल्म

सोमवार (24 मार्च) को फिल्म केसरी चैप्टर 2 द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग का टीजर जारी किया गया है। इस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के कई रिव्यूज आए है, जो अक्षय की फिल्म के लिए अच्छे संकेत साबित हो सकते हैं।

अक्षय की फिल्म केसरी 2 को सोशल मीडिया एक्स पर काफी अच्छा रिस्पांस मिल रहा है, जो कि उनकी इस रिलीज के लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है, क्योंकि इससे पहले उनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। एक यूजर ने लिखा, बॉलीवुड से एक और कंटेंट और देशभक्ति की कहानी के लिए तैयार हो जाइए। एक गारंटीड ब्लॉकबस्टर। एक और यूजर ने लिखा, बढ़िया है कि हम

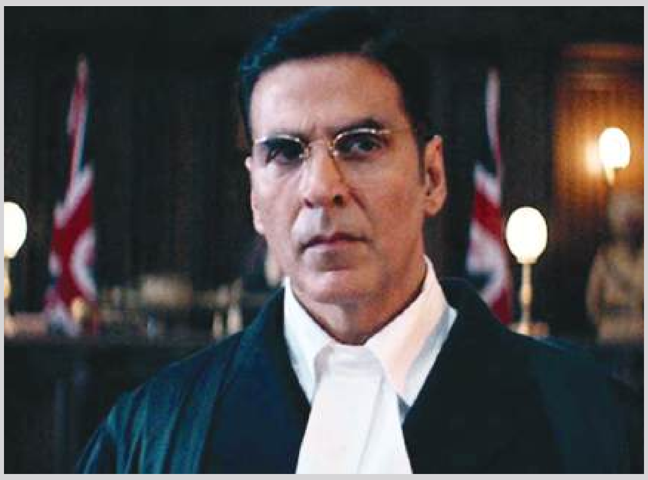

इन फिल्मों के माध्यम से इतिहास को फिर से सीख रहे हैं। पहले छावा और अब यह, एक और यूजर ने लिखा, वाओ, केसरी चैप्टर 2 बहुत बढ़िया टीजर, दिमाग हिला देने वाला।, एक यूजर ने लिखा ट्रेलर इतना अद्भुत लग रहा है कि रोंगटे खड़े हो रहे हैं केसरी चैप्टर 2 के टीजर को यूट्यूब पर चार घंटों में 11 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। वहीं यूजर्स भी लगातार इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, इस फिल्म के जरिए अक्षय एक और इतिहास लाने आ रहे हैं, एक और यूजर ने लिखा, वह सिर्फ अभिनय नहीं कर रहे हैं बल्कि वह भूमिका को जी रहे हैं, एक और यूजर ने लिखा, सुपरहिट लोडिंग। अक्की-माधवन कॉम्बो, एक और यूजर ने लिखा, जब मुझे पता चला कि यह फिल्म जलियांवाला बाग हत्याकांड को पेश करेगी तो मेरी आंखें नम हो गईं।

इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा अनन्या पांडे और आर माधवन भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी ने किया है। यह फिल्म 13 अप्रैल 1919 में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की घटनाओं पर आधारित है। यह फिल्म 18 अप्रैल 2025 को रिलीज के लिए तैयार है।

अजब-गजब | इस डाक्टर की कहानी खूब हो रही है वायरल

इन्हें कहा जाता है दुनिया का सबसे छोटा डॉक्टर

दुनियाभर में कई ऐसे लोग हैं, जो तमाम मुश्किलों के बावजूद सफलता हासिल कर इतिहास रच देते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं। इस शख्स का नाम गणेश बरैया है। 23 साल के गणेश ने साबित कर दिखाया कि अगर हौसला बुलंद हो तो कोई भी सपना असंभव नहीं। गुजरात के तलाजा थालुका में जन्मे गणेश का कद भले ही 3 फीट हो, लेकिन उनकी उपलब्धि इतनी बड़ी है कि आज उन्हें दुनिया के सबसे छोटे डॉक्टर के तौर पर जाना जा रहा है। उनकी यह प्रेरक कहानी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

गणेश का जीवन शुरू से ही चुनौतियों से भरा रहा। चार साल की उम्र में उनके माता-पिता ने देखा कि उनका सिर उनके शरीर से बड़ा हो रहा था। डॉक्टरों ने बताया कि यह एक लाइलाज बीमारी है। उनकी मां ने उनके सिर के बढ़ने से रोकने के लिए टब जैसा हेलमेट पहनाया, ताकि उनका शरीर उसका साथ दे सके। स्कूल में उनकी छोटी कद-काठी और बड़े सिर के कारण बच्चे उनका मजाक उड़ाते थे, लेकिन कुछ दोस्तों के सहारे और पढ़ाई पर ध्यान देकर वे आगे बढ़ते रहे। उनके पिता विट्ठल भाई एक किसान थे और रोजाना 200 रुपये कमाते

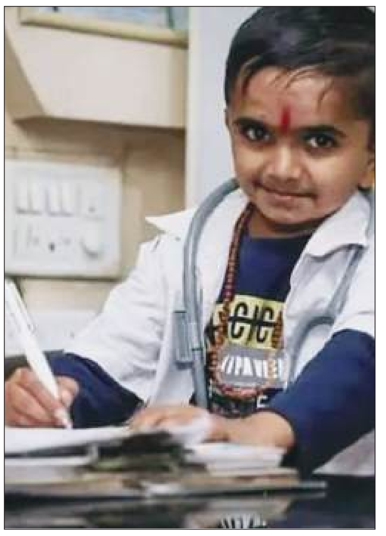

थे। एक दिन विट्ठल भाई को 1 लाख रुपये का ऑफर मिला कि गणेश को सर्कस में जोकर बनने दें। इस बात से दुखी पिता को अपने बेटे की सुरक्षा की चिंता सताने लगी। वे उसे स्कूल तक साथ ले जाने लगे और अकेले कहीं जाने से रोकते रहे।

गणेश बचपन से ही डॉक्टर बनना चाहते थे। अपनी मेहनत से उन्होंने मेडिकल परीक्षा में भी MBBS करने के लिए सफलता हासिल की, लेकिन मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया ने उनके छोटे कद को कारण बताकर आवेदन ठुकरा दिया। लेकिन इस बात से गणेश ने हार नहीं मानी और अपने स्कूल प्रिंसिपल की मदद से उन्होंने जिला कलेक्टर, राज्य शिक्षा मंत्री और गुजरात हाई कोर्ट तक गुहार लगाई। जब कहीं से मदद नहीं मिली, तो मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने उनके हक में फैसला सुनाया और 2019 में गणेश ने MBBS में दाखिला लिया।

पिछले साल गणेश ने भावनीगर के सर-टी हॉस्पिटल में इंटर्नशिप पूरा किया। वे कहते हैं, तीन साल पहले मैं निराश था, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिला और अब मैं अपने सपने को पूरा कर रहा हूं। मरीज शुरू में उनके कद को देखकर चौंकते हैं, लेकिन उनकी काबिलियत देखकर सहज हो जाते हैं। हालांकि, गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उनकी उपलब्धि अभी दर्ज नहीं हुई, लेकिन गणेश को दुनिया के सबसे छोटे डॉक्टर के तौर पर पहचान मिल रही है। गणेश कहते हैं, मैं अलग हूं, लेकिन अपने माता-पिता को गर्व महसूस कराने के लिए एक अच्छा जीवन जीना चाहता हूं। उनकी यह कहानी हर उस इंसान के लिए प्रेरणा है जो मुश्किलों के आगे हार मान लेता है।

कम लोगों को पता होगा जवाब! कमोड पर क्यों होते हैं दो बटन? सब करते हैं इस्तेमाल

चाहे वह घर हो, शॉपिंग मॉल हो या आपका कार्यालय हो, आपने दो बटन वाले कमोड पर ध्यान दिया होगा? तो, क्या यह प्रश्न कभी आपके मन में आया है कि आखिर दोनों बटन का अलग-अलग काम क्या होता है? ये सिर्फ प्रेशर के लिए लगाए गए हैं या इनकी अलग-अलग

आवश्यकता भी है। आजकल एडवांस बाथरूम सर्विसेज़ पूरे देश में काफी आम हो गई हैं। इसी कारण से, आप अक्सर कुछ शौचालयों पर दो फ्लश बटन देखेंगे। लगभग हर कोई जानता है कि इनमें से किसी एक का उपयोग कैसे किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दूसरे का उपयोग किस लिए किया जाता है? सार्वजनिक जगहों पर आप अलग-अलग तरह के शौचालय देखेंगे। इस शौचालय को फ्लश करने की विधि भी अलग-अलग होती है। आमतौर पर आप कुछ शौचालयों में दो फ्लश बटन देखेंगे, जिनमें से एक छोटा और एक बड़ा होता है। दोहरे फ्लश वाले शौचालय में एक बड़ा फ्लश बटन और एक छोटा बटन होता है। हम सभी इनमें से कभी बड़ा तो कभी दोनों बटन एक साथ दबाते हैं। हालांकि बहुत से लोग यह नहीं जानते कि दूसरे यानि छोटे बटन का वास्तविक कार्य क्या है?आधुनिक शौचालयों में दो ऐसे फ्लश बटन होते हैं। इनमें से एक बटन निकास वाल्व से जुड़ा हुआ है। बड़े बटन को दबाने पर लगभग 6 लीटर पानी निकलता है, जबकि छोटे बटन को दबाने पर 3 से 4.5 लीटर पानी निकलता है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर किसी घर में एक फ्लश के बजाय दोहरी फ्लश व्यवस्था हो, तो वर्ष भर में लगभग 20,000 लीटर पानी की बचत संभव है। दोहरे फ्लश स्थापनाएं नियमित फ्लश की तुलना में अधिक महंगी होती हैं, लेकिन वे आपको बहुत सारा पानी बचा सकती हैं। जब भी आपको बाथरूम के कमोड पर दो बटन दिखें, तो यह समझ लेने के बाद ही उन पर अपनी उंगली रखें कि आपको कौन सा बटन दबाना है। एक ही समय में दो बटन दबाने की गलती न करें, इससे पानी ज्यादा खर्च हो जाता है।

देश के साथ आरएसएस कर रही खिलवाड़ : राहुल

बोले- हम सभी को मिलकर भाजपा को रोकना होगा

» नेता प्रतिपक्ष ने जंतर-मंतर पर इंडिया गठबंधन के विभिन्न घटक दलों की छात्र इकाइयों को किया संबोधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देश के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा हुआ है। उन्होंने यहां जंतर-मंतर पर इंडिया गठबंधन के विभिन्न घटक दलों की छात्र इकाइयों के संयुक्त प्रदर्शन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी को मिलकर रोकना एवं पराजित करना है। विपक्षी पार्टियों की छात्र इकाइयों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा नियमों और पेपर लीक के मुद्दों को लेकर संसद मार्च का आह्वान किया था।

राहुल गांधी ने दावा किया, एक संगठन हिंदुस्तान का भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा है। उस संगठन का नाम आरएसएस है। यदि शिक्षा व्यवस्था उनके हाथ में चली जाएगी, जो धीरे धीरे जा रही है, तो देश बर्बाद हो जाएगा और इस देश में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा। उनका कहना था, आज छात्रों को यह बताने की जरूरत है कि सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति आरएसएस द्वारा नामित हैं और आने वाले समय में राज्यों के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति भी आरएसएस द्वारा नामित होंगे। यह देश के लिए खतरनाक हैं। इसे हमें रोकना है।

अब देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बेरोजगारी और महंगाई पर बात नही करना चाहते। उन्होंने कहा, देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने महाकुंभ के बारे में लोकसभा में बात की। मैं यह बोलना चाहता था कि कुंभ के बारे में बात करना अच्छी बात है, लेकिन भविष्य के बारे में बात करनी चाहिए, बेरोजगारी के खिलाफ बात करनी चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया, प्रधानमंत्री बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा व्यवस्था के बारे में बात नही करते क्योंकि प्रधानमंत्री का मॉडल, भाजपा और आरएसएस का मॉडल है जिसके तहत अदाणी, अंबानी को सारा धन देना और आरएसएस को सारी संस्थाओं का नियंत्रण देना है। उन्होंने छात्र संगठनो से कहा, हमारी विचारधारा और नीतियो पर थोड़ा फर्क हो सकता है, लेकिन हम हिंदुस्तान की शिक्षा प्रणाली को लेकर कभी समझौता नही करेंगे। हम मिलकर कदम बढ़ाएंगे और आरएसएस-भाजपा को हराएंगे।

हाईकोर्ट ने केंद्र को लगाई फटकार

» अदालत ने कहा- राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता पर चार हफ्तों में दें जानकारी, 21 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता के मुद्दे पर जानकारी पेश करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को चार हफ्ते का समय दिया है। आरोप है कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है और यह सवाल कई वर्षों से चर्चा में हैं। इसी मुद्दे पर एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस मामले में हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी। न्यायमूर्ति ए आर मसूदी और न्यायमूर्ति अजय कुमार श्रीवास्तव-प्रथम की खंडपीठ ने यह आदेश कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता एस विगनेश शिशिर की याचिका पर दिया।

याची ने राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता मामले में सीबीआई जांच की मांग भी की थी। इससे पहले कोर्ट ने केंद्र सरकार को राहुल गांधी की नागरिकता मामले में कार्रवाई का ब्योरा पेश करने के लिए 24 मार्च तक का समय दिया था। पहले, कोर्ट ने केंद्र से पूछा था कि याचिकाकार्ता के प्रत्यावेदन पर क्या कार्रवाई की गई है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सैनिकों पर विवादास्पद टिप्पणी करने के मामले में आरोपी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी की ओर से कोर्ट में उनके वकील ने वकालतनामा लगाया। एमपी- एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 29 अप्रैल की तारीख तय की है। बताते चलें, सीमा सड़क संगठन के सेवानिवृत्त निदेशक (भारतीय सेना में कर्नल के पद के समकक्ष) उदय शंकर श्रीवास्तव की ओर से वकील ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। उन्होंने बताया था कि 16 दिसंबर 2022 को राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पदयात्रा कर रहे थे।

सैनिकों पर टिप्पणी के मामले में 29 अप्रैल को होगी सुनवाई

पीएम का उपनाम लेकर टिप्पणी करने के मामले में सुनवाई 5 को

प्रधानमंत्री का उपनाम लेकर अभद्र व मानहानिकारक टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ दायर परिवाद को खारिज करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली निगरानी याचिका में एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंस नारायण ने अगली सुनवाई के लिए पांच अप्रैल की तारीख तय की है।

नए कप्तान के साथ विजयी शुरुआत करने उतरेगी पंजाब

» पिछली गलतियों से गुजरात को लेनी होगी सीख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। पंजाब किंग्स आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत गुजरात टाइटंस के खिलाफ करेगी। इन दोनों ही टीमों का प्रदर्शन पिछले सीजन अच्छा नहीं रहा था। गुजरात 2022 सीजन की विजेता रही है, लेकिन पंजाब फ्रेंचाइजी ने कभी भी आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। पंजाब इस बार नए कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ उतरेगी और उसकी कोशिश विजयी शुरुआत करने की होगी। श्रेयस आईपीएल में सफल कप्तानों में गिने जाते हैं। उन्होंने केकेआर को खिताब दिलाने से पहले 2020 सीजन में दिल्ली कैपिटल्स को अपनी कप्तानी में फाइनल में पहुंचाया था, लेकिन टीम उस वक्त विजेता नहीं बन सकी थी।

गुजरात के साथ मुकाबला आज

अब उनका लक्ष्य पंजाब का आईपीएल खिताब जीतने का 18 साल लंबा इंतजार खत्म करना होगा। दूसरी तरफ, भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान शुभमन गिल के लिए गुजरात के कप्तान के तौर पर पिछला सीजन अच्छा नहीं रह था और टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर रही थी। गुजरात के पास गिल और इंग्लैंड के जोस बटलर के रूप में आदर्श सलामी जोड़ी है। मध्यक्रम की कमान वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड, साई सुदर्शन और मसूद शाहरुख खान के हाथों में होगी, जबकि ऑलराउंडर राशिद खान, राहुल तेवतिया, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और महिपाल लोमरोर से योगदान की उम्मीद है। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज अपना प्रभाव छोड़ना चाहेंगे। तेज गेंदबाजी विभाग में उनके साथ देने के लिए कैगिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा, दक्षिण अफ्रीका के गेराल्ड कोएत्जे और अनुभवी इशांत शर्मा जैसे अच्छे गेंदबाज शामिल हैं। गुजरात के स्पिन विभाग की जिम्मेदारी फिर से राशिद खान निभाएंगे।

आशुतोष ने छीनी लखनऊ के मुंह से जीत

विशाखापत्तनम। आशुतोष शर्मा की अर्धशतकीय पारी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को एक विकेट से हराकर अपने अभियान का आगाज किया। लखनऊ ने निकोलस पूरन और मिचेल मार्श की धमाकेदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 209 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19.3 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 211 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की खराब शुरुआत हुई थी। जैक फ्रेजर मैकगर्क एक रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने अभिषेक पोरेल को अपना शिकार बनाया। वह खाता नहीं खोल सके। इसके बाद एम सिद्धार्थ ने समीर रिजवी को पंत के हाथों कैच कराया। इसके बाद मोर्चा ट्रिस्टन स्टब्स और आशुतोष शर्मा ने संभाला। दोनों ने दिल्ली की जीत की नींव रखी। स्टब्स 22 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुए जबकि आशुतोष 66 रन बनाकर नाबाद रहे। वह अंत तक डटे रहे और मैच जिताऊ प्रदर्शन के साथ टीम की जीत सुनिश्चित की।

शहर का बजट पास, नहीं बढ़ेगा कोई कर

» नगर निगम के बजट में विकास कार्यों के लिए बढ़ाया गया पार्षदगणों का कोटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश कर दिया है, जिसमें शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं को लेकर कई अहम फैसले लिए गए हैं। महापौर की अध्यक्षता में हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में इस बजट को मंजूरी दी गई। खास बात यह रही कि इस बार महापौर और नगर आयुक्त ने अपनी निधि में कटौती की है, जबकि पार्षदगणों के विकास कोटे को बढ़ा दिया गया है। बजट में सफाई व्यवस्था, जल निकासी, स्कूलों की मरम्मत, पार्कों की देखरेख और डिजिटल प्रशासन को लेकर बड़े बदलाव किए गए हैं। यूजर चार्ज को गृहकर से जोड़ने जैसे कई नए प्रावधान भी किए गए हैं, जिससे नगर निगम की आय में सुधार होगा और सुविधाएं बेहतर होंगी।

सुनीता विलियम्स के नाम पर सड़क

जानकीपुरम वार्ड में टेढ़ी पुलिया चौराहे से स्पोर्ट्स कॉलेज और टेढ़ी पुलिया से विकास नगर तिराहा जाने वाली सड़क (इसरो कार्यालय) को सुनीता विलियम्स मार्ग नाम दिया जाएगा। इस बजट को नगर निगम की कार्यकारिणी की बैठक में पारित किया गया।

इस बार के बजट का मकसद लखनऊ को एक स्मार्ट और स्वच्छ शहर बनाना है, जिससे हर नागरिक को फायदा हो सके। लखनऊ नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश कर दिया है। महापौर की अध्यक्षता में हुई बैठक में कार्यकारिणी समिति ने कई अहम संशोधनों के साथ इस बजट को मंजूरी दी। बजट में कुल आय 4,23,663.51 लाख रुपये और कुल व्यय 3,25,496.05 लाख रुपये प्रस्तावित किया गया है। इस बजट में शहर के विकास कार्यों, सफाई, जल निकासी और पार्कों की मरम्मत के लिए बड़ी धनराशि का आवंटन किया गया है। बैठक में पार्षदगणों की निधि 2 करोड़ 10 लाख कर दी गई। यह जीएसटी जोड़कर है। महापौर और नगर आयुक्त की निधि को कम किया गया है। पहले नगर आयुक्त की निधि 25 करोड़ की थी। जोकि घटाकर अब 10 करोड़ रुपये कर दी गई है। वहीं महापौर की निधि 30 करोड़ से घटाकर 20 करोड़ रुपये कर दी गई है। बैठक की अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल ने की।

मप्र परिवहन विभाग घोटाले में अधिकारी व नेता शामिल: सिंघार

» नेता प्रतिपक्ष बोले- विपक्ष जाएगा सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में परिवहन घोटाले को लेकर विपक्ष ने अब सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार इस मामले में लीपापोती कर रही है। कई बड़े अधिकारी और नेता इसकी जद में आ रहे थे, इसी कारण लोकायुक्त डीजी जयदीप प्रसाद का तबादला किया गया। सिंघार ने कहा कि सरकार इस घोटाले को दबाने का प्रयास कर रही है।

हम इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे और दोषियों को बेनकाब करेंगे। विधानसभा सत्र को लेकर भी उमंग सिंघार ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी भी मुद्दे पर सही जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि विधायकों द्वारा उठाए गए मामलों का भी जवाब नहीं दिया गया। हमने मांग की थी कि सदन की कार्यवाही का लाइव प्रसारण होना चाहिए, लेकिन सरकार ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

किसानों के मुद्दे पर लोकसभा में भारी हंगामा

» वेल में उतरे विपक्षी सांसद सदन की कार्यवाही स्थगित

» विपक्षी नेता बोले मुद्दों से भटका रही है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण चल रहा है। मंगलवार (25 मार्च) को संसद के दोनों सदनों में जज के घर पर भारी मात्रा में कैश बरामद होने व किसानों के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा हो किया।

वहीं कुणाल कामरा के मुद्दे पर आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा, मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने इस पर विवाद हो रहा है। कल संसद के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा क्या था, दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस के घर पर कैश, लेकिन उस पर चर्चा नहीं हुई। आपने एक व्यक्ति के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया. कॉमेडी एक त्रासदी बन गई।

किरेन रिजिजू पर भड़के प्रमोद तिवारी

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू की ओर से कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को लेकर दिए बयान पर कहा, संसदीय कार्यमंत्री ने संसद में ऐसा घटिया और निराधार आरोप लगाया। यह झूठ का पुलिंदा था. मैंने नोटिस दिया है. हम चाहते हैं कि जल्द से जल्द फैसला लिया जाए. अब डीके शिवकुमार ने भी बयान जारी किया है. बीजेपी एक ऐसी पार्टी है जो झूठ और फर्जी खबरों से जीतती है।

भलाई के लिए हो रहा है वक्फ बिल में संसोधन : पाल

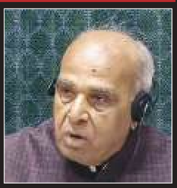

वक्फ बिल पर बनी जेपीसी के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने कहा, अगर सरकार वक्फ बिल में संशोधन कर रही है तो ये केवल भलाई के लिए है। किसी की धार्मिक स्वतंत्रता नहीं छीनी जा रही है. वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है, धार्मिक नहीं, ओवैसी देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं. जेपीसी ने ऑल इंडिया पर्सनल लॉ बोर्ड को बुलाया था, लेकिन उसके बाद भी उन्होंने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। बिल मुस्लिम समाज की भलाई के लिए होगा।

जस्टिस वर्मा के मामले में धनखड़ ने बुलाई फ्लोर लीडर्स की बैठक

जस्टिस वर्मा के मामले को लेकर सभापति धनखड़ ने शाम 4.30 बजे सभी फ्लोर लीडर्स की बैठक बुलाई है। राज्यसभा के सभापति ने कहा कि संसद कोई फैसला लेती है तो उसको आज अदालतों में चुनौती दी जाती है और अदालत उसके पहलुओं पर विचार करती है, लेकिन इस बार मामला दूसरी तरफ का है हमको इसको गंभीरता से देखना होगा।

सरकार किसानों पर नहीं है गंभीर : परिणीति शिंदे

कांग्रेस सांसद परिणीति शिंदे ने कृषि मंत्री से पूछा कि किसान खेती क्यों छोड़ रहे हैं? क्या आप किसानों के बारे में गंभीर नहीं हैं? इसके जवाब में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जो कहा कि उसके बाद हंगामा हो गया। विपक्षी सांसद वेल में उतर आए. इसके बाद स्पीकर ने कहा कि विपक्ष अपना एजेंडा चलाना चाहता है और सदन की कार्यवाही में व्यवधान उत्पन्न कर रहा है, इस वजह से प्रश्न काल नहीं चलने देना चाहत।

जज के घर कैश मिलने पर कार्यस्थगन प्रस्ताव का नोटिस

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और मणिकम टैगोर ने लोकसभा में जज के घर पर कैश मिलने के मामले में चर्चा के लिए कार्यस्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इस मामले में उन्होंने कानून मंत्री से बयान देने की मांग भी की है।

लोकसभा में सवाल जवाब जारी

पश्चिम बंगाल के मथुरापुर से टीएमसी सांसद बापी हलदर ने लोकसभा में केंद्र सरकार से पूछा कि राज्य के मनरेगा का बजट कब आवंटित किया जाएगा. इसको लेकर ग्रामीण विकास राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि 86 हजार करोड़ रुपये मनरेगा के लिए आवंटित किया है. इसमें से 85 हजार करोड़ रुपये राज्यों को रिलीज किया जा चुका है. उन्होंने कहा कि बंगाल में केंद्र सरकार के बजट का दुरुपयोग होता है.

उपसभापति सबको सुनकर फैसला दें : खरगे

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति जगदीप धनखड़ की तारीफ की। उन्होंने कहा कि संविधान और प्रक्रिया की जितनी नॉलेज आपके पास है, बहुत दिन आपने वकालत की और मैंने तो एक ही साल में वकालत छोड़ दी। हम आपसे बात करके यहीं सहमत हो गए तो कल के दिन बाकी फ्लोर लीडर्स ये सोचेंगे कि चेयरमैन साहब ने ऐसा क्या कर दिया कि जाकर ये दोनों राजी हो गए, हम फ्लोर लीडर्स को विश्वास में लेकर इसको आगे बढ़ाएंगे, हम चाहते थे कि आज आप बुलाइए. हम वहां आएंगे और अपना विचार रखेंगे और इसके बाद जो भी निर्णय लेना होगा, लेंगे। मुझे ये अच्छा नहीं लगा कि हमको बगैर सुने आप यहां जो एक घटना हुई थी, उसको लेकर आपने जो विचार दे दिया और फैसला दे दिया, हमको सुनकर आप विचार देते तो अच्छा था।

कैग रिपोर्ट पर दिल्ली में बढ़ी रार आप के निशाने पर रेखा सरकार

» आप सरकार में हुआ वित्तीय घाटा, सीएम रेखा ने विस में पेश की डीटीसी कैग रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट सोमवार को दिल्ली विधानसभा में पेश की। रिपोर्ट में परिचालन संबंधी अक्षमताओं और वित्तीय घाटे के बारे में विस्तार से बताया गया, जिससे पिछली आम आदमी पार्टी सरकार की आलोचना हुई।

रिपोर्ट डीटीसी के प्रमुख परिचालन और वित्तीय पहलुओं का मूल्यांकन करती है। अक्षमताओं और सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की ओर इशारा करती है। यह प्रबंधन, राजस्व सृजन, परिचालन स्थिरता और सार्वजनिक परिवहन नीतियों के पालन की जांच करती है। सीएजी रिपोर्ट पेश होने के बाद भाजपा विधायक हरीश खुराना ने पिछली आप सरकार की आलोचना की, उस पर सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के कुप्रबंधन का आरोप लगाया, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय घाटा हुआ और डीटीसी की बसों में कमी आई।

सीएजी रिपोर्ट पेश होने के बाद भाजपा विधायक हरीश खुराना ने पिछली आप सरकार की आलोचना की, उस पर सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के कुप्रबंधन का आरोप लगाया, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय घाटा हुआ और डीटीसी की बसों में कमी आई।

केजरीवाल सरकार ने सभी बसों में सीसीटीवी और मार्शल लगाने को अपनी बड़ी महत्वाकांक्षी योजना करार दिया था। सरकार का दावा था कि इससे बसों के अंदर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी, लेकिन सीएजी रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि दिल्ली की सभी बसों में सीसीटीवी लगाने की योजना भी पूरी नहीं हो पाई।

सिर्फ दो इलेक्ट्रिक बसें खरीद सकी केजरीवाल सरकार : मंत्री सिरसा

दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आरोप लगाया है कि केजरीवाल सरकार ने दो इलेक्ट्रिक बसों के अलावा एक भी नई बस की खरीद नहीं कर पाई, जिससे बसों की कमी हुई। सरकार केवल 57 प्रतिशत रुट्स पर ही बसों का संचालन कर पाई। इसमें भी 656 बसों को उनकी उम्र के बाद भी चलाया गया जिसके कारण उनका ब्रेक डाउन होने का मामला बढ़ गया। सिरसा ने आरोप लगाया है कि पैसा होने के बाद भी बसों की खरीद न कर पाना सरकार की कमजोरी का प्रमाण है।

सभी आंकड़े देखकर देंगे जवाब : आतिशी

आप नेता आतिशी मारलेना ने कहा है कि मुख्यमंत्री ने आज ही सीएजी की रिपोर्ट सदन में पेश की है। इसका विस्तृत अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है। इसका अध्ययन करने के बाद ही सरकार के आरोपों का पूरा जवाब दिया जा सकेगा। उन्होंने बुधवार को इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की है।

दिल्ली सरकार का बजट पेश

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने आज अपना पहला बजट पेश किया। पांच दिवसीय सत्र 24 मार्च को सुबह पारंपरिक खीर समारोह के साथ शुरू हुआ। इस बजट से फरवरी में दिल्ली चुनाव के दौरान किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता को दर्शाने की उम्मीद है।

अपने ही विधायकों के खिलाफ एक्शन लेगी टीएमसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने पार्टी के उन विधायकों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का फैसला किया है जो व्हिप जारी होने के बावजूद पश्चिम बंगाल विधानसभा सत्र में नियमित रूप से अनुपस्थित रहते हैं। इसको लेकर पार्टी सुप्रीमो व राज्य की सीएम ममता बनर्जी भी नाराज हैं।

पार्टी नेताओं ने बताया कि पार्टी की विधायी अनुशासन समिति ने कई विधायकों को सदन में अनुपस्थित रहने के लिए तलब किया है और उन्हें इस सप्ताह के अंत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। राज्य के संसदीय कार्य मंत्री सोभनदेव चट्टोपाध्याय ने विधानसभा में उपस्थिति रिकॉर्ड की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

उन्नाव दुष्कर्म मामले से जुड़े लोगों और गवाहों को दी गई सुरक्षा वापस

» सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला, पीड़िता का सुरक्षा वापस लेने से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उन्नाव दुष्कर्म मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला किया है। शीर्ष अदालत ने मामले से जुड़े लोगों और गवाहों को दी गई सीआरपीएफ सुरक्षा वापस लेने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया है कि इस मामले में दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि पीड़िता को दी गई सीआरपीएफ सुरक्षा जारी रहेगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता की सीआरपीएफ सुरक्षा वापस लेने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभी भी खतरे की आशंका है। हालांकि, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने पीड़िता के परिवार के सदस्यों और अन्य गवाहों को दी गई सीआरपीएफ सुरक्षा वापस ले ली। कोर्ट ने कहा कि मामले में दोषसिद्धि पहले ही हो चुकी है।

आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी

पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि इस कोर्ट से संबंधित व्यक्तियों को उस वक्त दी गई सुरक्षा जारी नहीं रखी जा सकती, क्योंकि मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है। हालांकि, हम यह साफ करते हैं कि अगले आदेश तक पीड़िता के लिए सीआरपीएफ सुरक्षा जारी रहेगी।

बिहार में राजग आउटडेटेड सरकार चला रही : तेजस्वी

» बोले नेता प्रतिपक्ष- सबसे युवा आबादी वाले राज्य को निराश करने में लगी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि उनके पास नए बिहार के लिए एक विजन, एक विशेष मिशन और अटूट जुनून है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग पर एक आउटडेटेड सरकार चलाने और सबसे युवा आबादी वाले राज्य को निराश करने का आरोप लगाया।

बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता यादव ने इस महीने की शुरुआत में पेश किए गए बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए सदन में जोरदार भाषण दिया। इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव की ओर इशारा करते हुए यादव ने कहा, मुझे विश्वास है कि 2025 में बिहार देश में सबसे

युवा आबादी वाला राज्य होने का लाभ उठाएगा। उन्होंने कहा, मेरे आलोचक मुझे बच्चा कहकर खारिज करने की कोशिश करते हैं, लेकिन लोग जानते हैं कि मैं मन का सच्चा हूँ। युवा नेता ने कहा कि बिहार को इस आउटडेटेड सरकार से छुटकारा पाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, मेरे पास नया बिहार बनाने के लिए एक विजन, एक विशेष मिशन और अटूट जुनून है। साल 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में राजग के खिलाफ विपक्षी महागठबंधन के संभावित नेतृत्वकर्ता यादव ने अपने लगभग 40 मिनट के भाषण में नीतीश कुमार नीत सरकार के विकास के दावे पर सवाल उठाया।

भगवा पार्टी के कब्जे में हैं सीएम नीतीश

उन्होने कहा, नीतीश कुमार कहते है कि अगर हम मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना बंद नही करेंगे, तो 10 साल में धरती खत्म हो जाएगी। लेकिन उनके डिप्टी सम्राट चौधरी ने बजट पेश करते समय आईपैड का इस्तेमाल किया। पिछले हफ्ते एक समारोह में मुख्यमंत्री कुमार के व्यवहार से उठे विवाद का जिक्र करते हुए, राजद नेता ने आरोप लगाया, मुख्यमंत्री राष्ट्रगान का अपमान करते है। लेकिन भाजपा चुप है, क्योंकि सत्ता मे उसकी हिस्सेदारी दांव पर है। भगवा पार्टी ने मुख्यमंत्री को अपने कब्जे में कर लिया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 । Email: daily4pm@gmail.com ।
website: www.4pm.co.in । RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।